पेसा कानून के तहत गाँव विकास नियोजन

विलेज प्रोफाइल

ओडवाडिया

गाँव - ओडवाडिया

पंचायत - ओडवाडिया

तहसील - दोवड़ा, जिला - डूंगरपुर, राजस्थान

पीस

ओडवाडिया गाँव का इतिहास

ओडवाडिया गाँव लगभग 200 साल पुराना है यहाँ सभी ओड जाती के लोग रहते थे, रियासत काल में बलकोडा राजपरिवार के वंशजो ने यहाँ एक रावला बनाया था । सभी लोग ओड जाति के होने के कारण इस गाँव को ओडवाडिया कहा जाने लगा । ओडवाडिया में चार फले है - रायणी फला, बिलडिया, नई बस्ती, खारा कुण्डी । ओडवाडिया में नाई, दर्जी, कुम्हार, सुथार, अहारी, ननोमा, कलासुआ, अन्य कई जातियों के लोग रहते है । गाँव में कालका माताजी, हनुमान जी और भैरवजी का मन्दिर है ।

ओडवाडिया गाँव का परिचय

ओडवाडिया गाँव ओडवाडिया ग्राम पंचायत का राजस्व गाँव है । ओडवाडिया पंचायत में चार राजस्व गाँव है - ओडवाडिया, गरडा, भागलसलावट और पारडा चौबीसा । ओडवाडिया गाँव जिला मुख्यालय डूंगरपुर से 20 किलोमीटर दूर बसा हुआ है। ओडवाडिया गाँव के सबसे नजदीकी गाँव घटाऊ, भागलसलावट, बैरणीया, गरडा, पालवस्सी, कराता, पारडा चौबीसा है ।

ओडवाडिया में वर्ष 2018, अप्रैल में शिलालेख स्थापना की गयी और गाँव सभा का गठन भी उसी दिन कर दिया गया । ओडवाडिया में करीब 320 घर है जिनकी आबादी लगभग 1550 है । ओडवाडिया में सभी जाति के लोग रहते है - एस.टी. जाति में कलासुआ, ननोमा और अहारी उपजाति के लोगों के घर है और एस.सी. यादव जाति और ओ.बी.सी. में कलाल और पाटीदार समाज के घर है । इसके साथ ही कुछ घर सामान्य जाति के राजपूत समाज के भी है । ओडवाडिया गाँव में 60 प्रतिशत आबादी को पेसा कानून और उसकी शक्तियों की जानकारी है । गाँव की पूरी जमीन का रकबा 608 हेक्ट. है जिसमें कृषि योग्य जमीन, बेनामी जमीन तथा पहाड़ है । गाँव में जंगल और चारागाह की जमीन नहीं है । प्राकृतिक और मानवीय संसाधनों के नाम पर गाँव में 1 नदी, 2 नाले, 1 तालाब, 1 तलावडी, 1 सामुदायिक भवन, 16 कुआँ, 15 हैंडपंप, 1 प्राथमिक स्कूल, 1 उच्च माध्यमिक स्कूल, 1 आंगनवाडी, 3 एनिकट, 2 शमशान घाट और 1 आर.ओ. प्लांट, मंदिर है । पंचायत का मुख्य गाँव होने के कारण ओडवाडिया गाँव में ही राशन की दुकान, पंचायत भवन, अटल सेवा केंद्र और उप-स्वास्थ्य केंद्र भी है । गाँव के 15 लोग अलग-अलग सरकारी विभागों में कार्यरत है ।

सड़क व्यवस्था

डूंगरपुर से ओडवाडिया गाँव के लिए सीधी रोडवेज बस मिलती है । डूंगरपुर से फलोज गाँव की ओर प्राइवेट बस से जाते है यहाँ फलोज से जीप और ऑटो मिल जाते है, जो सीधा ओडवाडिया गाँव में ले जाते है । इसके अलावा दोवडा से पहले पगार चोकी के रास्ते घटाऊ होकर भी ओडवाडिया जा सकते है । गाँव में 3 पक्की सड़के है जिसमे से 1 गाँव की सीमा पर है । एक पक्की सड़क बेरणीया से गरडा जाती है और दूसरी इसी सड़क से निकल कर घटाऊ गाँव में जाती है । दोनों गाँव के भीतर से जाने वाली पक्की सड़के टूट चुकी है गिट्टी पत्थर निकल रहे है जो राह चलते हुए पैदल राहगीरों को चोट भी पहुचाते है । गाँव की जमीन ऊची-नीची और पहाड़ी है जिस कारण रोड़ बनाने में समस्या आती है । गाँव

के भीतर फलों में जाने के लिए 2 सी.सी. सड़क और 3 कच्ची सड़क है। गाँव के मुख्य सड़क से ऑटो, जीप दूसरे गाँव में जाने के लिए मिल जाते है। गाँव के फलों में ग्रामीण अपने नीजी वाहन जैसे मोटर साइकिल का उपयाग करते है या फिर पैदल जाया जाता है। क्योंकि गाँव के फलों के पगडण्ड़िया काफी सकरी है जिससे आने जाने में समस्या होती है । अक्सर ख़राब रोड़ पर स्लिप हो जाने से वाहन चालकों को गम्भीर चोट भी लग जाती है ।

शिक्षा व स्वास्थय व्यवस्था

गाँव में 2 विद्यालय है - 1 प्राथमिक विद्यालय और 1 उच्च माध्यमिक विद्यालय । प्राथमिक स्कूल में 40 बच्चे पढ़ते है और शिक्षक मात्र 2 है । प्राथमिक स्कूल भवन जर्जर हो गया है दीवारों से रंग-रोगन भी उड़ गया है । टूटी छत और फर्श पर न तो बच्चे ढंग से पढाई कर पाते है न ही कक्षा-कक्ष में बैठ पाते है । प्राथमिक स्कूल के शौचालय सफाई के अभाव में बहुत ही गन्दा हो गया है कि बच्चे इसे काम में ही नहीं लेते है । पीने के पानी के लिए हैंडपंप है । उच्च शिक्षा के लिए गाँव में 1 उच्च माध्यमिक विद्यालय है किन्तु उसमे भी अध्यापकों की कमी है शौचालय अलग-अलग बने है लेकिन उनमे पानी की टंकी नहीं है, सफाई के अभाव में बहुत गंदे हो गये है । पीने के पानी के लिए आर.ओ. नहीं लगा है, नये कमरों की आवश्यकता है । स्नातक स्तर की शिक्षा के लिये डूंगरपुर शहर में आना पड़ता है, अधिकतर बच्चे डूंगरपुर में छात्रावास में या किराये पर कमरा लेकर रह रहे है । गाँव में 1 आंगनवाड़ी है जो अच्छी हालत में है लेकिन कम गुणवत्तापूर्ण और ख़राब पोषाहार मिलने के कारण गाँव के अधिकतर बच्चे उसमे नहीं जाते है गाँव में 1 उपस्वास्थ्य केन्द्र है, वहाँ शौचालय और पीने के पानी की व्यवस्था नहीं है । सरकारी हॉस्पीटल 8 किमी दूर फलोज गाँव में है । बडा हॉस्पीटल 20 किमी दूर डूंगरपुर में है। मरीजो को अस्पताल ले जाने के लिए टेम्पो या 108 की सुविधा है।

कृषि और रोजगार की स्थिति

गाँव की अधिकतर कृषि जमीन उबड़-खाबड़ है लेकिन पाटीदारो और राजपूतो के कब्जे की कुछ जमीन समतल और सिंचित है । जिसमें गेहू, मक्का, उडद, मूंग, चना और धान की खेती की जाती है । आदिवासी लोगों के पास अधिकतर खेती की जमीन उबड़-खाबड़ और पहाड़ी है जिस कारण वे मक्का और मूंग की फसल ही उगाते है । जिनके पास सिंचाई की सुविधा उपलब्ध है वे किसान गेहूँ, धान और गन्ना भी उगाते है । बारिश के बाद गाँव में जल स्तर नीचे चला जाता है नदी और कुओं में साल भर पानी रहता है । नाले, चेकडैम और एनिकट में पानी अप्रैल-मई महीने तक ही पानी रहता है । खेती से पांच-छह माह खाने भर का अनाज होता है उसके बाद सरकारी राशन की दुकान या बनिये से खरीदना पड़ता है। रोजगार के नाम पर गाँव में मनरेगा योजना चलती है । गाँव की 80 प्रतिशत महिलाएं मनरेगा में काम करने जाती है । गाँव के अधिकतर लोग कड़िया मजदूरी करते है या डूंगरपुर शहर में आते है और

गुजरात में अहमदाबाद, मोडासा, हिम्मतनगर जाते है, जहां वे खेतों में तथा फेक्ट्री में काम करते है। गाँव के कुछ पढ़े लिखे लोग गाँव से शहरों की ओर अच्छे जीवन की तलाश में पलायन कर चुके है ।

सिंचाई की व्यवस्था एवं स्थिति

खेतों में सिंचाई व्यवस्था के लिए 1 नदी है जिसमे साल बहर पानी बहता है और उससे खेतों में सिंचाई की जाती है । 2 बड़े नाले और एक नहर है जिसमे मई तक पानी बहता है जो सिंचाई और पशुओ को पिलाने के काम आता है । गाँव में 16 कुएं है जिनमे साल भर पानी तो रहता है लेकिन विद्युत कनेक्शन न होने के कारण सिंचाई के लिए इतना पानी नहीं निकल पाते है । नदी के रास्ते में पानी को रोकने के लिए 3 एनिकट और 4 चेकडैम है लेकिन एनिकट और चेकडैम जर्जर होकर ख़राब हो गये है, दरारों से पानी बह कर निकल जाता है, इस कारण उनमे पानी नहीं टिक पाता है । इनके पानी का ज्यादा उपयोग नही हो पाता है । बोरवेल की सुविधा है लेकिन मध्य ग्रीष्म ऋतु में पानी का जल स्तर नीचे चला जाता है और इनमे पानी की कमी हो जाती है ।

गाँव की चिन्हित समस्याओं का विवरण निम्न् प्रकार है-

प्राकृतिक संसाधन

गाँव में जंगल और चारागाह की जमीन खत्म हो गयी है । गाँव में जंगल की जमीन थी लेकिन अंधाधुंध पेड़ों की कटाई और जमीन के अधिग्रहण के कारण जंगल की जमीन अब बची ही नहीं है । गाँव में कुछ पहाड़ है जिन पर बारिश के मौसम में चारा और मौसमी पेड़ उग आते है । उन पेड़ों से गाँव के लोग कुछ समय के लिए चूल्हे जलाने के लिए लकड़ी इक्कठा कर लेते है । गाँव की बिलानाम जमीन पर गाँव का कब्ज़ा है । गाँव में बड़े पहाड़ है, जिस पर गाँव का कब्ज़ा है लेकिन इनमे किसी भी प्रकार के खनिज की जानकारी नहीं है ।

आवागमन की समस्या

गाँव में 3 पक्की सड़के है, दो पक्की सड़के गाँव के भीतर से गुजरती है दोनों पक्की सड़के टूट चुकी है गिट्टी पत्थर निकल रहे है जो राह चलते हुए पैदल राहगीरों को चोट भी पहुचाते है । गाँव की जमीन ऊची-नीची और पहाड़ी है जिस कारण रोड़ बनाने में समस्या आती है । गाँव के भीतर फलों में जाने के लिए 2 सी.सी. सड़क और 3 कच्ची सड़क है। गाँव के फलों में ग्रामीण अपने नीजी वाहन जैसे मोटर साइकिल का उपयाग करते है या फिर पैदल जाया जाता है। क्योंकि गाँव के फलों के पगडण्ड़िया काफी सकरी है जिससे आने जाने में समस्या होती है । अक्सर ख़राब रोड़ पर स्लिप हो जाने से वाहनचालकों को गम्भीर चोट भी लग जाती है । गाँव में जो बस स्टैंड है वहाँ यात्री वाहन रुकते है लेकिन कोई भवन नहीं बना हुआ है । रोडवेज बस पकड़ने के लिए गाँव के लोगों को लगभग 10 किमी दूर जाना पड़ता है ।

भूमि व जल प्रबंधन की कमी

गाँव में लोगों के पास कब्जे की जमीन के पट्टे नहीं मिले है । सरकार की अस्पष्ठ नीतियों के कारण लोगों को जमीन हाथ से जाने का भय है । ज्यादातर खेत उबड़-खाबड़ है जिन्हें समतलीकरण की आवश्यकता है और असिंचित खेतों में नहरों की कोई व्यवस्था नहीं होने के कारण उनमें केवल बारिश के पानी से ही फसल की पैदावार हो पाती है । सिंचाई के लिए नदी और नाले से पानी मिल जाता है । कुओं में भी पानी तो रहता है लेकिन बिजली कनेक्शन न होने के कारण मोटर से पानी नहीं निकाल पाते है । बारिश के पानी को रोकने के लिये 3 एनिकट और 4 चेकडैम बने है जो बहुत पुराने हो चुके है वे जर्जर हालत में है । गहराई कम होने और रिसाव के कारण सालभर पानी नहीं रहता है। तालाब और तलावडी में इतना पानी ही रह पाता है कि पशुओ के पीने भर का इंतजाम हो जाता है । गाँव में पानी का स्तर 200 फुट से नीचे है। गाँव में 15 हैण्डपम्प है, जिसमे से 3 बंद है । सभी हैण्डपम्प और बोरवेल का पानी फ्लोराइड से दूषित है। एनिकट मरम्मत और उसकी ऊंचाई बढ़ाने के बारे में हाल फिलहाल गाँव के लोगों ने कोई ध्यान नहीं दिया है।

पशुपालन संबंधित समस्या

गाँव में गाय, बैल, भैंस व बकरी पाली जाती है। गाँव में खेती की जमीन और पहाड़ पर बारिश में जो चारा होता है जो साल भर नहीं चल पाता है। खेती में सिंचाई के पानी की कमी के कारण खेतों में पशुओं के प्र्याप्त मात्रा में चारा भी नहीं उगाया जाता है। जो भी चारा बारिश के माह में होता है वह केवल चार या पांच माह ही चल पाता है उसके पश्चात खरीद कर लाना पडता है। चारे की एक पुली या गटठर सात रूपये में खरिदते है या फिर 4-5 परिवार वाले मिल कर 15000 से 18000 रूपये में भूसे का ट्रक खरीदते है । गाँव में दूध और कृषि के उपयोग में लेने के लिए उन्नत किस्म के पशु नहीं है । चारे के अभाव में दुधारू पशु भी ज्यादा दूध नहीं देते है केवल घरभर का काम निकल जाता है । सर्दियों में ठण्ड से बचाव के लिए गाँव में किसी कों भी पशुबाड़ा नहीं मिला है । कई बार कमजोर हो चुके जानवर ठण्ड से मर भी जाते है ।

शिक्षा एवं स्वास्थ्य का निम्न स्तर

प्राथमिक स्कूल में छत की मरम्मत की आवश्यकता है क्योंकि बारिश में पानी टपकता है और खेल का मैदान तथा शौचालय की हालत जर्जर है, पीने के पानी के लिए हैंडपंप भी ख़राब है, अध्यापकों की कमी के कारण बच्चों की शिक्षा भी प्रभावित हो रही है । यदि कक्षा पांच तक के बच्चों को पढ़ाने के लिए मात्र 2 अध्यापक नियुक्त है तो गाँव के शिक्षा की स्थिति का अंदाजा लगाया जा सकता है कि दी जाने वाली शिक्षा का स्तर कितना नीचे होगा और नामांकन दर क्या होगी ? गाँव में 1 उ. मा. विद्यालय है जिसमे कुल बच्चों की तुलना में अध्यापक कम है, अभी वर्तमान में 13 शिक्षकों की नियुक्ति है । यहाँ भी शौचालयों में पानी का प्रबन्ध नहीं है । पीने के पानी के लिए आर.ओ. नहीं लगा है जिस कारण बच्चे

फ्लोराइड युक्त पानी पीते है । स्नातक स्तर की शिक्षा के लिये 20 किमी दूर डूंगरपुर शहर में जाना पड़ता है, अधिकतर बच्चे यही पर किराये का कमरा लेकर रहते है ।

गाँव में 1 आंगनवाड़ी है । यह आँगनवाड़ी अच्छी हालत में है लेकिन पौषाहार कों लेकर लोगो को समस्या है वहाँ पौषाहार अच्छा नहीं दिया जाता है, इसलिए उसमें लोग अपने बच्चों को कम भेजते है । गाँव में एक उपस्वास्थ्य केन्द्र है, लेकिन यहाँ शौचालय और पीने के पानी की व्यवस्था नहीं है । सरकारी हॉस्पीटल गाँव से दूर 8 किमी फलौज में है। जिसके लिये टेम्पो या 108 की सुविधा है। बडा हॉस्पीटल 25 किमी दूर डूंगरपुर में है।

कृषि एवं खाद्यान्न की स्थिति

ओडवाडिया में फसल बारिश के मौसम में उगायी जाती है क्योंकि बारिश के बाद गर्मी के मौसम में सिंचाई के पानी की कमी हो जाती है। जिनके पास समतल खेत और सिंचाई के साधन है वे लोग धान और गेहू भी पैदा करते है । हालाँकि वहाँ पर 1 नदी, 2 नाले, 1 नहर, 4 एनिकट, 1 तालाब, 16 कुऐ, निजी बोरवेल है, लेकिन कृषि बिजली कनेक्शन न होने के कारण कुओं और तालाब से ज्यादा पानी नहीं काम में ले पाते है । नदी में भी साल भर पानी रहता है लेकिन सिमित क्षेत्र में ही सिंचाई हो पाती है । चूँकि गर्मी में नाले, नहर में पानी सूख जाता है । सभी एनिकट और चेकडैम पुराने और जर्जर होकर ख़राब हो गये है । ग्रीष्म ऋतु में जिन खेतों में फसल उग रही है वे कुआं व बोरवेल के पानी से सिंचित है। गाँव में भू-जल स्तर 200 फुट नीचे चला गया है। भविष्य में पानी का स्तर और भी अधिक गहराई तक चला जाएगा, इसके साथ ही गाँव में खेती और पीने के पानी के लिए बड़ा संकट उत्पन्न हो जायेगा । वर्तमान में जो पानी को ना सहेजने की प्रवृति है वो बनी रही तो भविष्य में गाँव खाली करने या दूसरी जगह पर विस्थापित होने की स्थितियों का सामना करना पड़ सकता है ।

गाँव में खेती से होने वाला अनाज केवल 5 या 6 माह ही चल पाता है, खेती से होने वाला अनाज पर्याप्त नहीं होने के कारण खरीद कर लाना पड़ता है। जिसके लिये सरकारी उचित मूल्य की दुकान गाँव में ही है । राशन की दुकान पर केवल गेहूं मिलता है, चीनी तथा केरोसीन त्यौहारों पर ही मिलता है। राशन दुकान पर पॉस मशीन की भी समस्या रहती है।

आजिविका एवं रोजगार के साधनों की कमी

गाँव में रोजगार का मुख्य साधन खेती है अन्यथा मजदूरी एक मात्र आजीविका चलाने का साधन है । रोजगार की स्थिति भी काफी खराब है, गाँव के अधिकतर युवा गुजरात राज्य के अहमदाबाद, हिम्मतनगर, सूरत, मोडासा या महानगर बम्बई में मजदूरी करने के लिये जाते है। गाँव में नरेगा पर काम मिलता है, जिसमें गाँव की 80 प्रतिशत महिलायें जाती है तथा जो पुरुष यहां रह कर खेती करते है वे भी नरेगा में काम पर जाते है। वर्तमान में मनरेगा में जो मजदूरी दी जा रही है वह भी 100 रूपये

तक ही दी जाती है। गाँव के पढ़े - लिखे युवा लोग काम करने के लिए शहरों में आते है । कुछ लोग अच्छी जीविका की तलाश और अच्छी सुविधाओं के लिए दूसरे जिलों में भी पलायन कर गये है ।

गाँव में उपलब्ध संसाधन, उनकी हालत और संभावनाएं-

संसाधन	हालत	सम्भावना
जल नदी, नाला एनिकट तालाब कुआं हैण्डपम्प बोरवेल	गाँव में 1 नदी, 2 बरसाती नाले और एक तालाब है। तालाब से एक नहर निकली है लेकिन यह ज्यादा खेतों तक नहीं पहुँचती है । नदी और नाले पर 3 एनीकट और चेकडैम बने हुए है जो अच्छी हालत में नहीं है । उनकी दरारों से पानी रिस कर निकल जाता है । गाँव में 16 कुएं, 15 हैंडपंप है । कुओं में साल भर पानी रहता है सिंचाई के लिए पानी मिल जाता है और 3 हैंडपंप पाइप सम्बन्धी समस्या के कारण बन्द है । गाँव के पानी में फ्लोराइड की मात्रा ज्यादा है। गर्मी में तालाब और एनिकट की तलहटी में बचा हुआ थोडा पानी पशुओ के पीने और नहाने-धोने के काम आता है, नाले, एनिकट, नहर में पानी मई माह तक खत्म हो जाने से मवेशीयों के पीने के पानी और सिंचाई की समस्या हो जाती है।	गाँव वासियों के अनुसार यदि एनिकटो की मरम्मत और ऊंचाई बढाई जाये तो पानी पूरे साल रुक सकता है और सिचाई भी पूरी हो सकती है । तालाब की मरम्मत और चेकडैम बनाये जाये, नालों की पक्की रिन्ग्वाल बनाई जाये, उसे पक्का बनाने से जमीन का कटाव नहीं होगा । एनिकट में पानी अधिक समय तक रुक जाएगा और गाँव में गर्मियों में पानी के संकट को दूर किया जा सकता है। फ्लोराइड मुक्त पानी के लिए आर.ओ. प्लांट लगना चाहिए ।
जमीन कृषि भूमि बिला नाम भूमि पहाड़	गाँव में अधिकांश जमीन समतल नहीं है, अधिकतर छोटी पहाडी, उबड़-खाबड़ और पथरीली ढलान वाली जमीन है। गाँव में बिलानाम जमीन पर गाँव का कब्ज़ा है । गाँव में चारागाह भूमि केवल पहाड़ पर बची है जिस पर केवल बरसात में होने वाली घास होती है जिसे चारे के रूप में लोग काट कर लाते हैं। असिंचित भूमि पर बरसात में होने वाली फसल ही पैदा होती है। पहाड़ बड़े है लेकिन उनमे किसी	गाँव की उबड़-खाबड़ जमीनों को अपना खेत अपना काम योजना के तहत समतलीकरण करके उसे उपजाऊ बनाया जा सकता है। गाँव की बेकार पड़ी जमीन को उन्नत कृषि तकनीकी के माध्यम से उपजाऊ बनाया जा सकता है । जिस पर किसी प्रकार की खेती या उपज नहीं होती है, को गाँवसभा के अधीन करके खाली जमीन पर फलदार वृक्षारोपण भी किया जा

	भी प्रकार के खनिज मिलने की कोई जानकारी नहीं है	सकता है।
सड़क कच्ची सड़क सी.सी. सड़क पक्की सड़क	गाँव पक्की और सी.सी., कच्ची सड़के टूट गयी है इसके अलावा कुछ सड़कों को अधूरा छोड़ दिया गया है इनसे मिटटी और कंकड़ उड़ते है और सड़क पर पैदल चलने वाले लोगों को चोट लग जाती है । अक्सर दुपहिया वाहन स्लिप भी होकर दुर्घटनाग्रस्त हो जाते है । यात्री प्रतिक्षालय नहीं है ।	गाँव की अधूरी सड़क को पूरा किया जाये । टूटी सड़कों की मरम्मत की जाये । गाँव के सभी कच्चे रास्ते सी.सी. सड़क में बदले जाये और सी.सी. सड़कों को चौड़ा करके पुनः बनाया जाये तो गाँव के भीतरी इलाके में आवागमन में सुविधा होगी। बस स्टैंड भवन बनाया जाये और वहाँ पीने के पानी और शौचालय की व्यवस्था की जाये
स्कूल	गाँव में 1 प्राथमिक और 1 उच्च माध्यमिक स्कूल है सभी की छत से बारिश में पानी टपकता है और फर्श भी टूट रही है। खेल का मैदान और शौचालय की स्थिति सही नहीं है । पीने के शुद्ध पानी की व्यवस्था नहीं है । छात्रों की तुलना में अध्यापक भी कम है । दी जाने वाली शिक्षा की स्थिति काफी ख़राब दर्जे की है । नामांकन दर कम और ड्रापआउट दर ज्यादा है ।	प्राइमरी स्कूल में छत के ऊपर चाइना मोजिक करवाकर और प्लास्टर करवा कर अच्छा बनाया जा सकता है। फर्श, शौचालय की भी मरम्मत करवाना । खेल के मैदान की बाउन्ड्री बना कर सुरक्षित किया जा सकता है । अध्यापक नियुक्ति के लिए शिक्षा अधिकारी को पत्र लिखना और अध्यापकों को समय पर आने के लिए पाबंद करना यह कार्य गाँव सभा के माध्यम से करना है ।
उज्ज्वला गैस कनेक्शन	गाँव में 40 प्रतिशत लोगो को उज्ज्वला गैस योजना का लाभ नहीं मिल पाया है । जिन्हें मिल गया उनका मिटटी का तेल बंद कर दिया गया है लेकिन साथ ही उन परिवारों का भी मिटटी का तेल बंद कर दिया गया है जिन्हें इस योजना का लाभ नहीं मिला है ।	योजना को सही से लागू किया जाये और मिटटी का तेल पुनः शुरू किया जाये ।
बिजली	गाँव के 50 प्रतिशत घरों में बिजली की सुविधा नहीं है । जिन लोगो को यह सुविधा मिली है वे भी बिल के बहुत ज्यादा आने से परेशान हो गये है ।	सही से मीटर की रीडिंग लेने के लिए कर्मचारी को पाबंद करना ।

गाँव सभा द्वारा चिन्हित मुख्य समस्याएं, उनके कारण, प्रस्तावित समाधान एवं वरीयता

क्र. सं.	समस्याएं	सार्वजनिक/ व्यक्तिगत	कारण	समाधान	तात्कालिक/ दीर्घकालिक
1	**शिक्षा सम्बंधित समस्या**	**सार्वजनिक**	गाँव में केवल 1 प्राथमिक स्कूल और 1 उच्च मा. स्कूल है, प्रा. स्कूल में मात्र 2 अध्यापक है और उच्च मा. स्कूल में 13 अध्यापक है, अध्यापकों की कमी के कारण बच्चों की पढाई बाधित हो रही है । स्कूल की छत से बारिश में पानी टपकता है और छत से प्लास्टर भी गिर रहा है साथ ही फर्श भी टूट रही है । स्कूल का खेल मैदान और शौचालय की स्थिति सही नहीं है ।	गाँव के स्कूलों में सभी व्यवस्था पूरी दी जाये और अच्छी दी जाये । सभी विषयों के अध्यापकों की नियुक्ति हो और समय पर आने के लिए पाबंद किया जाना चाहिये ।	**तात्कालिक**
2	**पेयजल की समस्या**	**सार्वजनिक**	गाँव में 16 कुएं और 15 हैंडपंप है सभी पेयजल स्रोत चालू है लेकिन इनका पानी में आयरन और फ्लोराइड बहुत ज्यादा है । गर्मी में बोरेवेल में भी पानी कम हो जाता है । गाँव का जलस्तर 200 फिट से नीचे चला गया है।	गाँव में आर.ओ. प्लांट लगवाना ताकि फ्लोराइड मुक्त पेयजल मिल पाए । गाँव में एनिकट और चेकडैम और तालाब गहरीकरण से गाँव में बरसात के पानी को ज्यादा से ज्यादा रोक कर, कुएं रिचार्ज करके जल स्तर ऊंचा किया जा सकता है।	**दीर्घकालिक**
3	**कृषि संबधी समस्या**	**व्यक्तिगत / सार्वजनिक**	गाँव की कृषि योग्य उपलब्ध भूमि उबड़ खाबड़ है। सिंचाई की सुविधा भी नहीं है। सिंचाई के लिए सभी संसाधन उपलब्ध है जैसे नदी, नाले, नहर,	खेतों को अपना खेत-अपना काम योजना के अंतर्गत समतलीकरण करवाना । बारिश के पानी को रोकने के लिए खेतों की मेड़ बंदी का निर्माण करना । घर	**तात्कालिक**

			तालाब, कुएं लेकिन पानी निकालने के लिए बिजली कनेक्शन नहीं मिला है । 3 जर्जर एनिकट और 4 टूटे हुए चेकडैम है । एनिकट, चेकडैम, नहर और नालों में पानी मई तक समाप्त हो जाता है।	और खेतों में पानी को रोकने के लिए टाके (पक्के खड्डे) बनवाना । एनिकट की मरम्मत करके उसकी ऊंचाई को बढ़ाना उपयोगी सिद्ध हो सकता है ।	
4	**रास्ते की समस्या**	**सार्वजनिक**	गाँव में पक्की सड़कों, सी.सी. सड़के और कच्ची तेज बारिश होने के कारण काफी ख़राब हो गयी है जिसके कारण हादसों की संभावना बनी रहती है । अंदरूनी रास्ते भी कच्चे है।	गाँवसभा कमेटियों के गठन के बाद जहां जहां रास्ते नहीं है वहां के प्रस्ताव लिए गए हैं और टूटे हुए रास्तों को फिर से ठीक करना और कच्ची सड़क को सी.सी. सड़क में बदलना ।	**तात्कालिक**
5	**सरकारी योजनाओं की सहीं क्रियान्विति ना होना - आवास निर्माण, पेंशन और उसके भुगतान संबधी समस्या और शौचालय का न बनाना ।**	**व्यक्तिगत**	गाँव में अभी भी कुछ परिवार वालों को आवास योजना का लाभ नहीं मिला है । इसमें सबसे बड़ी समस्या यह है कि जिन लोगों के आवास बन भी गए हैं उनमें से ज्यादातर लोगों का पूरा भुगतान नहीं हुआ है। गाँव में जिन लोगों को आवास की बेहद जरूरत है उनके आवास गरीबी के कारण नहीं बने हैं पेंशन में समस्या यह है कि गाँव में सरकारी कागजातों में उम्र अलग-अलग होने से भी लोगों की पेंशन भी बंद है। और समय पर	गाँव के सबसे जरूरतमंद लोगों को आवास निर्माण हेतु आवेदन कराना और उसके लिए प्रयास करना। बकाया राशि का भुगतान तुरंत करना। जिन लोगों को पेंशन नहीं मिल रही है उनको पेंशन योजना से जोड़ना। बंद पेंशन का भुगतान तुरंत शुरू करवाना।	**तात्कालिक**

			जीवित प्रमाणपत्र ना प्रस्तुत करना भी एक कारण है ।		
6	**काबिज और बिलानाम भूमि पर खातेदारी का हक नहीं मिलना ।**	**सार्वजनिक**	लोग कई पीढ़ियों से गाँव में बसे हैं लेकिन जितनी भूमि पर वह काबिज है उसकी खातेरदारी का हक उनको नहीं मिला है। पिछले कुछ सालो से इसे सरकार के द्वारा बंद कर दिया गया है । जिसके कारण भविष्य में उनकी जमीन आसानी से छीन जाने का संकट खड़ा हो गया है।	काबिज भूमि पर सामूहिक दावा करना। पट्टे की जमीन जिसकी पैनल्टी राजस्व विभाग ने लेना बंद कर दिया है उसे कोर्ट में जमा करना क्योंकि पेनल्टी नहीं देने से पट्टा खारिज हो जाएगा और धारा 91 के अनुसार काबीज जमीन का नियमन कराना। गाँव सभा द्वारा सबकी फाइल तैयार करके एक साथ राजस्व विभाग में दावे का मुकदमा करना।	**दीर्घकालिक**
7	**कृषि बिजली कनेक्शन नहीं मिलना**	**सार्वजनिक**	सिंचाई के लिए सभी संसाधन उपलब्ध है, लेकिन मोटर चलाकर पानी निकालने के लिए बिजली कनेक्शन नहीं मिला है ।	जितना जल्द हो सके खेतों तक पानी पहुचाने के लिए बिजली का कनेक्शन दिया जाये ।	**तात्कालिक**
8	**उज्ज्वला गैस और घरेलू विद्युत कनेक्शन**	**सार्वजनिक**	गाँव में लोग एक बार खली हो चुके सिलेंडर को दुबारा रिफिल भी नहीं करवा पा रहे है । इनकी आर्थिक स्थिति ख़राब है । और कुछ इस भय से नहीं ले रहे है कि गैस मिलने से केरोसिन बंद हो जायेगा । घरेलू बिजली का बिल भी उपभोग से अधिक का आता है ।	जिन लोगो का मिटटी का तेल देना बंद कर दिया गया है उसे चालू किया जाये और पूरा दिया जाये । बिजली विभाग के रीडर कों सही रीडिंग लेने के लिए पाबंद किया जाये ।	**तात्कालिक**

संसाधन आंकलन व SWOT विश्लेषण

S- Strengths शक्तियां	W- Weakness कमजोरी	O- Opportunities अवसर	T- Threats चुनौतियां
आवागमन - कच्चे रास्ते, सी.सी. सड़क, पक्की सड़कें	कच्चे रास्ते को आर.सी.सी. नहीं करना। टूटी हुई पक्की सड़क और सी.सी. सड़क को सही नहीं करवाना। गाँव में बस स्टैंड भवन की मांग नहीं करना ।	रास्ते ठीक होने से लोगों को आने जाने में समय की बचत होगी। सड़क व्यवस्था अच्छी होने से दुर्घटनाओ को रोका जा सकता है । मरीज और गर्भवती महिला को जल्दी चिकित्सा सुविधा मिल सकती है ।	इस समस्या को लेकर अधिक से अधिक लोगो का गाँव सभा में नहीं आना, साथ ही वे इसको सरकार पर छोड़ रहे है ।
जल नदी, नाला, नहर तालाब चेकडैम - एनिकट कुआं बोरवेल हैंड पंप	गाँव में 1 नदी, 2 बरसाती नाले है जिनपर 3 एनिकट और 4 चेकडैम बने है लेकिन एनिकट, चेकडैम जर्जर व कमजोर है । 16 कुएं और 15 हैंडपंप है । पानी में आयरन और फ्लोराइड भुत ज्यादा है । एनिकट मरम्मत के लिए गाँव के लोगों में जागरूकता की कमी । सरकारी योजना और मौसम पर अधिक निर्भर रहना । कृषि बिजली कनेक्शन नहीं होने से प्रर्याप्त सिंचाई का पानी नहीं निकाल पाते है ।	कच्चे और पक्के चेकडेम निर्माण, पानी को रोकने के लिए घरों में पक्की टंकी का निर्माण करवाना । बरसात के पानी को योजनाबद्ध तरीके से रोका जाए जिससे सिचाई और अशुद्ध पीने के पानी के संकट को दूर किया जा सकता है और भू जल स्तर को भी ऊँचा किया जाता हैं। बोरवेल का उपयोग कम करके कुओ से पानी निकालना । ताकि जल स्तर एकदम से नीचे न जाये । बिजली कनेक्शन मिल जाने से सभी खेतों को पानी की सुविधा मिल जायेगी ।	पंचायत द्वारा इस चुनौती से निपटने के लिए कोई पहल नहीं करना और योजना होते हुए भी ना क्रियान्वित करना । गाँव के लोगों की उदासीनता । गाँव सभा में इसके लिए प्रस्ताव लेना ।
आजीविका के साधन	गाँव में खेती और मनरेगा के अलावा और किसी रोजगार के साधन	गाँव में खाली पड़ी जमीन और पहाड़ियों पर वृक्षारोपण, अच्छी नस्ल	गाँव के लोगों के पास पर्याप्त खेती की जमीन का अभाव।

	का अभाव । कृषि उत्पादन की कमी। अच्छी नस्ल के दुधारू पशुओं का अभाव।	के पशुओं का सरकार के द्वारा उपलब्ध करवाना । लघुगृह उद्योग, सब्जी की खेती से आय के स्रोत बढ़ाये जा सकते हैं।	उन्नतशील बीज और बेहतर किस्म के पशुओ का अभाव। जमीन और पहाड़ों के बेहतर प्रबंधन की कमी।
भूमि	सभी लोगों के पास कब्जे की जमीन के पट्टे ना होना । खेती की पर्याप्त जमीन नहीं होना।	खेती की जमीन की उर्वरा शक्ति को बढ़ाना। गाँव की सार्वजनिक खाली पड़ी जमीन पर फलदार वृक्षारोपण करवाना।	सभी लोगों के पास पर्याप्त जमीन का अभाव। सिंचाई का अभाव खाली पड़ी जमीन के बेहतर उपयोग की योजना का अभाव।

- **गाँव सभा द्वारा तैयार गाँव का नजरिया नक्शा-**

- **गाँवसभा द्वारा तैयार गाँव विकास योजना में प्रस्तावित कार्यो का विवरण -**

प्रस्तावित कार्य	संख्या
पेंशन के सम्बन्ध में	
वृद्धा पेंशन	16
विधवा पेंशन	1
एकलनारी पेंशन	4
विकलांग पेंशन	2
पालनहार (6-18 वर्ष)	2
पी.एम., सी.एम. नये आवास निर्माण के सम्बन्ध में	123
बकाया भुगतान के सम्बन्ध में	3
शौचालय निर्माण की बकाया भुगतान के सम्बन्ध में	14
स्कूल के सम्बंध में	रा.उ.मा. ओडवाडिया
अध्यापकों की नियुक्ति	+
4 कमरों का निर्माण	रा.प्रा.वि. राबडा फला
शुद्ध पीने के पानी की व्यवस्था	
शौचालय में पानी की व्यवस्था	
खिड़की दरवाजे मरम्मत	
परकोटा निर्माण	
उप स्वास्थ्य केंद्र निर्माण के सम्बन्ध में	1
आंगनवाडी निर्माण के सम्बन्ध में	1
रास्ता निर्माण	
कच्चा रास्ता	2
सी.सी. सड़क	13
तालाब निर्माण / गहरीकरण के सम्बन्ध में	6
हैंडपंप के सम्बन्ध में	
नए हैंडपंप	8
पुराने हैंडपंप	3
आर.ओ. प्लांट लगाने के सम्बन्ध में	2
<u>केटेगरी 4 के कार्य</u>	
पशुवाडा निर्माण, खेत समतलीकरण, मेड़बंदी, रिंगवाल, कुआं गहरीकरण मरम्मत	74
चेकडैम निर्माण के सम्बन्ध में	6
एनिकट निर्माण के सम्बन्ध में	3

सामुदायिक वन दावा करने के सम्बन्ध में	
सामाजिक विवाद निपटारा के सम्बन्ध में	
सामाजिक कुरीतियों पर रोक के सम्बन्ध में	
शमशान घाट निर्माण के सम्बन्ध में	2

गाँव विकास नियोजन प्रक्रिया -

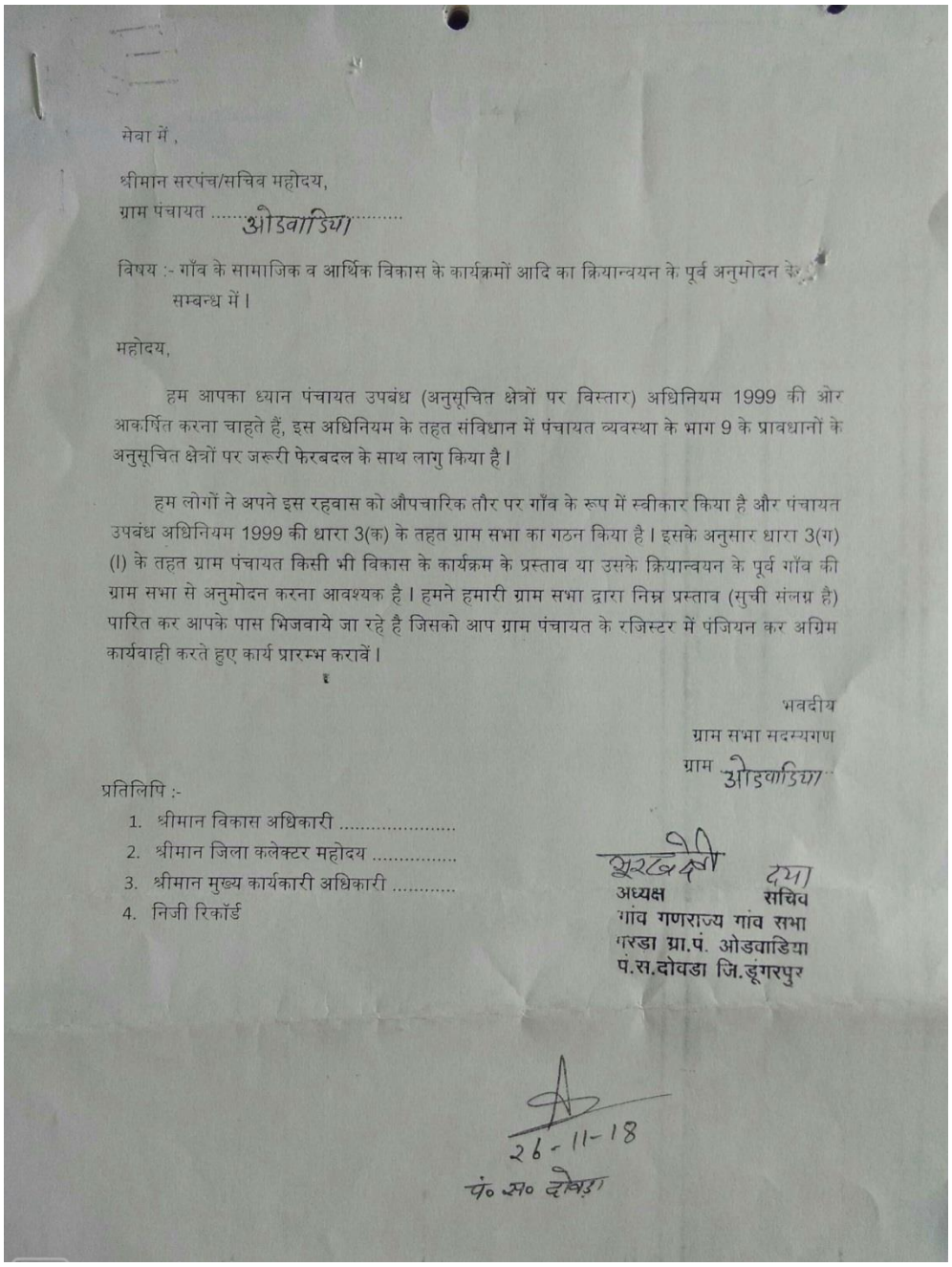

सेवा में ,

श्रीमान सरपंच/सचिव महोदय,
ग्राम पंचायत .....ओडवाडिया.....

विषय :- गाँव के सामाजिक व आर्थिक विकास के कार्यक्रमों आदि का क्रियान्वयन के पूर्व अनुमोदन के सम्बन्ध में।

महोदय,

हम आपका ध्यान पंचायत उपबंध (अनुसूचित क्षेत्रों पर विस्तार) अधिनियम 1999 की ओर आकर्षित करना चाहते हैं, इस अधिनियम के तहत संविधान में पंचायत व्यवस्था के भाग 9 के प्रावधानों के अनुसूचित क्षेत्रों पर जरूरी फेरबदल के साथ लागु किया है।

हम लोगों ने अपने इस रहवास को औपचारिक तौर पर गाँव के रूप में स्वीकार किया है और पंचायत उपबंध अधिनियम 1999 की धारा 3(क) के तहत ग्राम सभा का गठन किया है। इसके अनुसार धारा 3(ग) (I) के तहत ग्राम पंचायत किसी भी विकास के कार्यक्रम के प्रस्ताव या उसके क्रियान्वयन के पूर्व गाँव की ग्राम सभा से अनुमोदन करना आवश्यक है। हमने हमारी ग्राम सभा द्वारा निम्न प्रस्ताव (सुची संलग्न है) पारित कर आपके पास भिजवाये जा रहे है जिसको आप ग्राम पंचायत के रजिस्टर में पंजियन कर अग्रिम कार्यवाही करते हुए कार्य प्रारम्भ करावें।

भवदीय
ग्राम सभा सदस्यगण
ग्राम ओडवाडिया

प्रतिलिपि :-
1. श्रीमान विकास अधिकारी .....
2. श्रीमान जिला कलेक्टर महोदय .....
3. श्रीमान मुख्य कार्यकारी अधिकारी .....
4. निजी रिकॉर्ड

अध्यक्ष
गांव गणराज्य गांव सभा
गरडा ग्रा.पं. ओडवाडिया
पं.स.दोवडा जि.डूंगरपुर

सचिव

26-11-18
पं० स० दोवड़ा

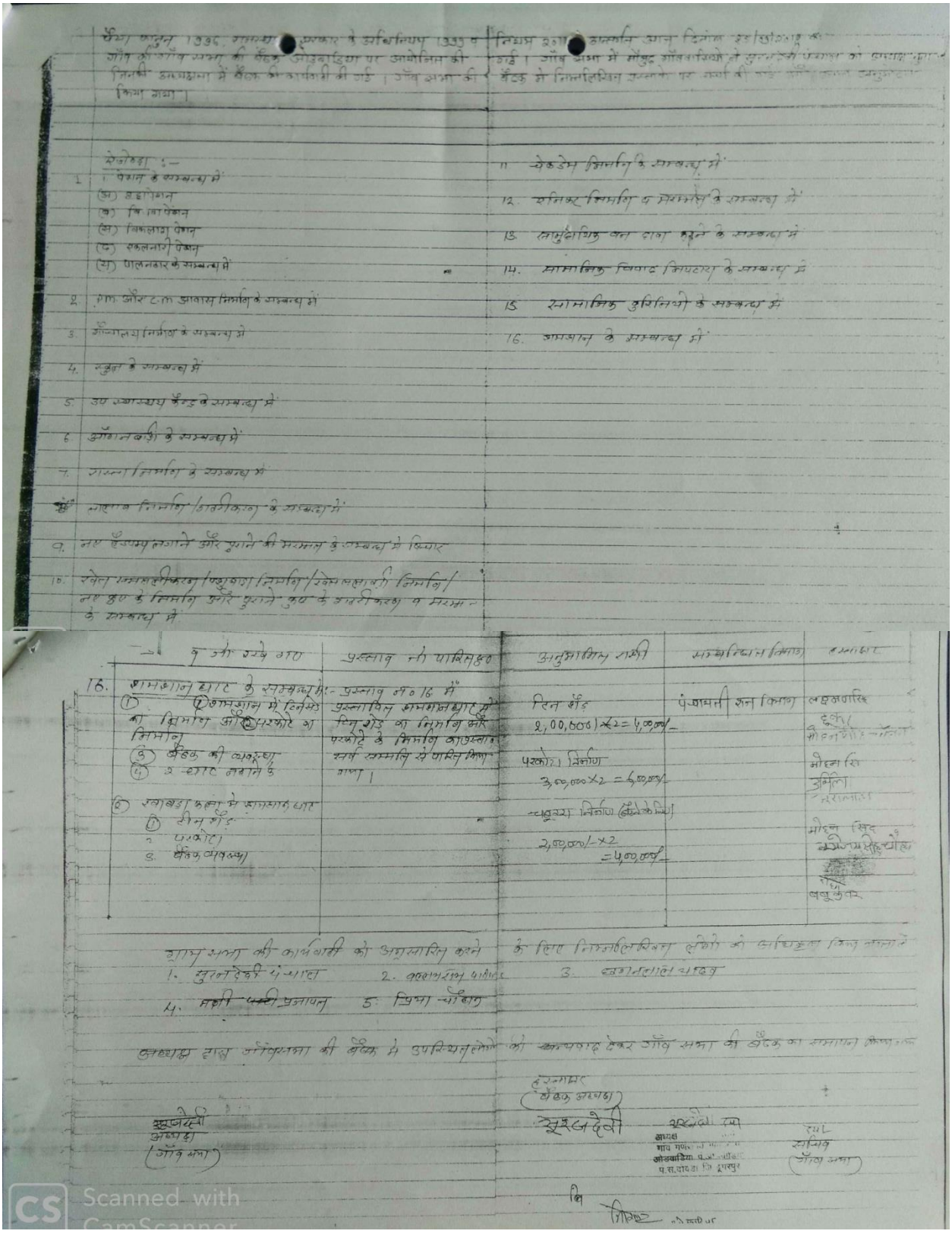

पैसा कानून 1996, राजस्थान सरकार के अधिनियम 1999 व नियम 2011 के अन्तर्गत आज दिनांक 23/10/2019 को गाँव की गाँव सभा की बैठक ओडवाडिया पर आयोजित की गई। गाँव सभा में मौजूद गाँववासियो ने सुरजदेवी पंचाल को सर्वसम्मति से अध्यक्ष चुना जिनकी अध्यक्षता में बैठक की कार्यवाही की गई। गाँव सभा की बैठक मे निम्नलिखित प्रस्तावो पर चर्चा की गई और [illegible] अनुमोदन किया गया।

एजेण्डा :-

1. पेंशन के सम्बन्ध में
   (अ) वृद्धावस्था पेंशन
   (ब) विधवा पेंशन
   (स) विकलांग पेंशन
   (द) एकलनारी पेंशन
   (य) पालनहार के सम्बन्ध में
2. P.M. और C.M. आवास निर्माण के सम्बन्ध में
3. शौचालय निर्माण के सम्बन्ध में
4. स्कूल के सम्बन्ध में
5. उप स्वास्थ्य केन्द्र के सम्बन्ध में
6. आँगनबाड़ी के सम्बन्ध में
7. रास्ता निर्माण के सम्बन्ध में
8. तालाब निर्माण (गहरीकरण) के सम्बन्ध में
9. नए हैंडपम्प लगाने और पुराने की मरम्मत के सम्बन्ध में विचार
10. खेत समतलीकरण / पशुबाड़ा निर्माण / खेत तलावड़ी निर्माण / नए कुए के निर्माण और पुराने कुए के गहरीकरण व मरम्मत के सम्बन्ध में
11. चेकडेम निर्माण के सम्बन्ध में
12. एनिकट निर्माण व मरम्मत के सम्बन्ध में
13. सामुदायिक वन दावा करने के सम्बन्ध में
14. सामाजिक विवाद निपटारा के सम्बन्ध में
15. सामाजिक कुरितियो के सम्बन्ध में
16. शमशान के सम्बन्ध में

	मुद्दे जो रखे गए	प्रस्ताव जो पारित हुए	अनुमानित राशी	सम्बन्धित विभाग	हस्ताक्षर
16.	शमशान घाट के सम्बन्ध में:- (1) (1) शमशान में टिनशेड का निर्माण और (2) परकोटे का निर्माण (3) बैठक की व्यवस्था (4) 2 घाट बनाने है (2) खाबड़ा फला मे शमशान घाट (1) टीन शेड 2. परकोटा 3. बैठक व्यवस्था	प्रस्ताव नं० 16 में प्रस्तावित शमशान घाट में टिन शेड का निर्माण और परकोटे के निर्माण का प्रस्ताव सर्व सम्मति से पारित किया गया।	टिन शेड 2,00,000/×2 = 4,00,000/- परकोटा निर्माण 3,00,000×2 = 6,00,000/- चबूतरा निर्माण (बैठने के लिए) 2,00,000/-×2 = 4,00,000/-	पंचायती राज विभाग	लक्ष्मणसिंह दूल्हा / मोहनसिंह चौहान मोहन सिं उर्मिला / हीरालाल मोहन सिंह अजयसिंह चौहान राधा बबु कुंवर

ग्राम सभा की कार्यवाही को अग्रसारित करने के लिए निम्नलिखित लोगो को अधिकृत किया जाता है
1. सुरजदेवी पंचाल 2. वक्तावरसिंह [illegible] 3. छगनलाल यादव
4. ~~मणी~~ ~~[illegible]~~ प्रजापत 5. प्रिया चौहान

अध्यक्ष द्वारा गाँवसभा की बैठक मे उपस्थित लोगो को धन्यवाद देकर गाँव सभा की बैठक का समापन किया गया।

हस्ताक्षर
(बैठक अध्यक्ष)
सुरजदेवी

सुरजदेवी
अध्यक्ष
(गाँव सभा)

सुरजदेवी [illegible]
अध्यक्ष
गाँव गण[illegible]
ओडवाडिया [illegible]
प.स. [illegible] जि. डूंगरपुर

[illegible]
सचिव
(गाँव सभा)

वि [illegible]

Scanned with CamScanner

विलेज प्लानिंग फेसिलिटेटर टीम (वीपीएफटी)

1. मीनाक्षी / सतीश
2. प्रदीप अहारी
3. दया देवी कलासुआ
4. हिना कलासुआ